मोटापे की चीनी पारंपरिक दवा

वज़न घटाना आजकल एक बड़ा व्यापार है, जिसमें जिम वगैरह के अलावा दवाइयां भी शामिल हैं। अब कहा जा रहा है कि चीन की एक पारंपरिक दवा की मदद से आप कसरत वगैरह किए बगैर अपना वज़न घटा सकेंगे।

वर्ष 2009 में यह खबर आई थी कि हमारे शरीर में थोड़ा-सा ब्राउन वसा ऊतक होता है। इस ब्राउन वसा की विशेषता है कि यह तेज़ी से खर्च होती है और गर्मी पैदा करती है। फिर क्या था, शोधकर्ता यह समझने में भिड़ गए कि इस ब्राउन वसा की गतिविधि को कैसे बढ़ाया जाए ताकि वज़न कम किया जा सके।

इसी शोध के परिणामस्वरूप एक चीनी जड़ी-बूटी सामने आई है - बर्बेराइन। बताते हैं कि यह जंतुओं में इंसुलिन प्रतिरोध को कम करती है। अब शंघाई जिआओ तोंग विश्वविद्यालय के गुआंग निंग ने अपने प्रयोगों के आधार पर बताया है कि चूहों में बर्बेराइन के उपयोग से ब्राउन वसा क्रियाशील हो जाती है और उनका वज़न कम करने में मदद मिलती है। गुआंग निंग ने तो पाया है कि बर्बेराइन सफेद वसा को ब्राउन वसा में भी परिवर्तित कर देती है।

निंग के दल ने कुछ चूहों को महीने में तीन बार बर्बेराइन की खुराक दी। स्कैनिंग से पता चला कि जिन चूहों को बर्बेराइन का काढ़ा पिलाया गया था उनमें हसलियों के बीच की ब्राउन वसा ने ज़्यादा ऊष्मा पैदा की थी। इस बात के भी संकेत मिले कि उनके गुप्तांग वाले क्षेत्र में सफेद वसा ब्राउन वसा में तबदील हो रही है।

चूहों पर हुए इन प्रयोगों की सफलता के बावजूद यह सवाल तो है ही कि क्या इंसानों में वज़न कम करने के लिए भी बर्बेराइन का उपयोग किया जा सकता है। ब्राउन वसा को लेकर सारे शोरगुल में यह बात भुला दी गई है कि चूहों वगैरह के मुकाबले मनुष्यों में ब्राउन वसा की मात्रा काफी कम होती है। बहरहाल, जैसा कि होता है बर्बेराइन अचानक लोकप्रिय होने लगी है। कारण यही लगता है कि लोग वज़न कम करना चाहते हैं लेकिन उसके लिए ज़रूरी मेहनत करने से कतराते हैं।

मसलन, हेलसिंकी विश्वविद्यालय के हेनरी हटनेन का कहना है कि हज़ारों-लाखों लोग इस दवा का उपयोग करने भी लगे हैं। मगर यह अच्छी बात नहीं है। हटनेन ने हाल ही में एक शोध पत्र में बताया है कि चूहों में बर्बेराइन के सेवन और तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ियों के बीच सम्बंध है।

इससे मनुष्यों में इसके इस्तेमाल को लेकर चिंता स्वाभाविक है। वैसे निंग का कहना है कि चीन में तो लोग बर्बेराइन पिछले 2000 वर्षों से ले रहे हैं, मगर वे भी यह स्वीकार करते हैं कि इसको औषधि के रूप में स्वीकार करने से पहले इसके विषैले प्रभावों की जांच ज़रूरी होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***